

76/19

गा.सं. 136 LR 114 मुं.नं. 11/19

प्राप्त की पत्र डूरी डाकघर का सिद्ध गानु  
कि यह जमीन पर नईसीलफर राजाको सि  
ओर के अहमदाबाद 136 LR 114 इन  
तक के सब पत्र सिद्ध कि 2010 मधुसूदन  
नईसील राजाको की जमान जमाने से  
2072-75 के द्वारा खेच 22 के खं.नं. 409  
रकबा 0.10 वी.सू. 0.2 वी.सू. पर. ओमवरी पत्नी  
पिनेश पत्नी कोम गा.सं. 45 डि. 605/3327.50  
वर्ग गज, रत्नसिंह पुत्र राजन सिंह डि. 1 डि.  
302.50/3327.50 वर्ग गज, रामबाबू पुत्र डी.जी.यम  
डि. 478/3327.50 वर्ग गज, व. व. पाद सुन्दर उर्फ  
सुन्दर सिंह डि. 1/2, जगदीश उर्फ जग्गा डि. 1/2  
डि. विद्ये डि. 1/2 ~~1675.34/3327.50~~ वर्ग गज  
कोम गा.सं. 45 के द्वारा उर्फ के जो कि  
सम्पूर्ण खेच डि. 1/2 पर (स) नईसील  
पिनेश जमाने संगी जमान में (वारा)  
डाकघर डि. 1/2 इस कारण उर्फ उर्फ के  
जमाने का डाकघर करने पर प्राप्त  
कि 2010 मधुसूदन कि जमाने से 2060-63 के  
वारा सं. 370 के वारा सं. 409 रकबा 1.02 वी.सू.  
पर रामसुन्दर उर्फ सुन्दर सिंह डि. 1/2, जगदीश  
उर्फ जग्गा डि. 1/2 डि. विद्ये को वारा सं. 45  
द्वारा उर्फ सिद्ध कि जो कि सम्पूर्ण खेच  
डि. 1/2 के किन्तु इसे जमाने में देना (वारा सं.)  
न संसुद्ध रूप से नामांकन सं. 1353 के डि.  
4/22 के बचन, ओमवरी पत्नी पिनेश पत्नी के  
नाम सुन्दर खेच, डि. 2/22 का बचन  
रत्न सिंह पुत्र राजन जल जाते जाते का वारा  
नामांकन सं. 1353 के डि. 478/3327.50  
का बचन रामबाबू पुत्र डी.जी.यम का एव नामा-सुन्दर  
सं. 1355 के डि. 266.66/3327.50 का बचन  
मिर्शी, रामेन्द्र उर्फ राम वीरेन्द्र, नरेन्द्र, सुन्दर  
पुत्र सुन्दर सुन्दर का सं. डि. 1/2 के वारा  
जमाने में सिद्ध किन्तु डाकघर जमाने

सभी वाटेशरों का डिस्क सही है किंतु मधुवन  
 के रूप में सुन्दर उर्फ सुन्दर सिंह/न जगदीश  
 उर्फ जगमा/विद्यार्थी विद्यार्थी 1675.34/3327.50  
 वर्ग गज दर्ज हो गये हैं जो गलत है उ सके  
 स्थान पर राम सुन्दर उर्फ सुन्दर सिंह, जगदीश  
 उर्फ जगमा वि विद्यार्थी 1675.34/3327.50  
 होये। अतः सं 2072-75 की जलविद्युत के ब्याप  
 सं 22 के खन 409 पर इनके उचानुसूच  
 सही डिस्क दर्ज करने हेतु उचानुसूच  
 के आदेश दिने पत्र।

हमने पत्रालय का इन्फार्मेशन किया  
 उत्तर दिनांक नवल जगदीश एव दिनांक  
 पत्रालय व 142 का पत्रांतर किया। किन्तु  
 आवेदन से गर्पना पत्र में केचि, तब  
 की पूर्ण होये। इसलिए हम गर्पना पत्र  
 136 24 पर स्वीकार किया जाना उचित  
 समझते हैं।

अतः आदेश है कि गर्पना 136 24 पर  
 स्वीकार किया जाकर आदेश दिया जाय  
 है कि अतः मधुवन तद्वीर राजाको की जलविद्युत  
 सं 2072-75 के ब्याप सं. 22 के खन नम्बर  
 409 खन 1-02 वीद्य पर वर्तमान में दर्ज  
 वाटेशरों के डिस्क में से वाटेशर राम सुन्दर  
 उर्फ सुन्दर सिंह डि/2 एव जगदीश उर्फ जगमा  
 डि/2 वि विद्यार्थी डि. 1675.34/3327.50 वर्ग गज  
 में सुद्धि की जाकर उचानुसूच वाटेशरों में से  
 डि/2 व 1/2 दृश्य जान तब दोना फेनल (सुन्दर सु से)  
 डि 167.34/3327.50 दर्ज रखे जाने के आदेश  
 दिने पत्र है उचानुसूच सुद्धि हेतु तद्वीर  
 राजाको का पत्रालय पत्र दिनांक 16/11/75  
 सुमाह अतः वाद तद्वीर राजाको इन्त  
 है उचानुसूच गमा।

उपखण्ड अधिकारी  
 राजाखेड़ा (धौलपुर)